



एन सी ई आर टी
NCERT

NCERT

National Council Of Educational Research
And Training

NCERT Solutions for 5th Class Hindi: Chapter 4-नन्हा फनकार



IndCareer
Schools



indCareer



indCareer



indCareer

NCERT Solutions for 5th Class Hindi: Chapter 4-नन्हा फनकार

Class 5: Hindi Chapter 4 solutions. Complete Class 5 Hindi Chapter 4 Notes.

NCERT Solutions for 5th Class Hindi: Chapter 4-नन्हा फनकार

NCERT 5th Hindi Chapter 4, class 5 Hindi Chapter 4 solutions

केशव की घंटियाँ

प्रश्न 1.

“माशा अल्लाह! ये घंटियाँ कितनी सुंदर हैं! तुमने खुद बनाई हैं?”

बादशाह अकबर ने यह बात किसलिए कही होगी

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-5th-class-hindi-chapter-3-nanha-fankar/>

(क) केशव के काम की तारीफ में ।

(ख) यह जानने के लिए कि घंटियाँ कितनी सुंदर हैं ।

(ग) केशव से बातचीत शुरू करने के लिए।

(घ) घंटियाँ किसने बनाईं, यह जानने के लिए।

(ङ) क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि 10 साल का बच्चा केशव इतनी सुंदर घंटियाँ बना सकता है।

(च) कोई और कारण जो तुम्हें ठीक लगता हो।

उत्तर:

(ङ) क्योंकि उन्हें यकीन नहीं था कि 10 साल का बच्चा केशव इतनी सुंदर घंटियाँ बना सकता है।

प्रश्न 2.

केशव पत्थर पर घंटियाँ तथा कड़ियाँ तराश रहा था। उसके द्वारा तराशी जा रही घंटियों और कड़ियों का चित्र अपनी कॉपी में बनाओ। तुम्हें क्या कोई खास इमारत याद आ रही है जिसमें नक्काशी की गई हो। संभव हो तो उसकी तस्वीर चिपकाओ।

उत्तर:

स्वयं करो।

आना-जाना

केशव के पिता गुजरात से आगरा आकर बस गए थे। हो सकता है तुम या तुम्हारे कुछ साथियों के माता-पिता भी कहीं और से यहाँ आकर बस गए हों। बातचीत करके पता लगाओ कि ऐसा करने के क्या कारण होते हैं?

उत्तर:

सामान्य तौर पर ऐसा करने का एक ही कारण होता है रोजगार की प्राप्ति। इसके अलावा जो कारण होते हैं, वे हैं-उच्च शिक्षा की प्राप्ति, स्वास्थ्य सुविधाओं की प्राप्ति आदि।

कहानी से

प्रश्न 3.

अकबर को पहरेदार की दखलंदाजी अच्छी क्यों नहीं लगी?

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-5th-class-hindi-chapter-3-nanha-fankar/>

उत्तर:

अकबर को पहरेदार की दखलंदाजी इसलिए अच्छी नहीं लगी क्योंकि वे नन्हें केशव से इत्मीनान से बात करना चाहते थे और उसके हुनर के बारे में विस्तार से जानना चाहते थे।

प्रश्न 4.

“लगता है कोई बहुत बड़ा आदमी है,” यहाँ पर बड़े आदमी’ से केशव का क्या मतलब है?

उत्तर:

यहाँ पर ‘बड़े आदमी’ से केशव का मतलब है किसी प्रतिष्ठित और प्रभावशाली आदमी से।

प्रश्न 5.

“खरगोश की-सी कातर आँखें”

पशु-पक्षियों से तुलना करते हुए और भी बहुत-सी बातें कही जाती हैं जैसे-‘हिरन जैसी चाल’। ऐसे ही कुछ उदाहरण तुम भी बताओ।

उत्तर:

- कोयल-जैसी आवाज
- शेर जैसी दहाड़
- गाय जैसी सीधी
- घोड़ा जैसा अड़ियल
- हाथी जैसी मस्त चाल

प्रश्न 6.

अकबर ने जब नक्काशी सीखना चाहा, तो केशव ने उन्हें संदेहभरी नज़रों से क्यों देखा?

उत्तर:

केशव को संदेह इसलिए हो रहा था क्योंकि उसके हिसाब से एक बादशाह के पास नक्काशी सीखने से भी ज्यादा कई महत्वपूर्ण कार्य होते हैं। उनके लिए वे कार्य करना अधिक जरूरी हैं।

प्रश्न 7.

केशव दस साल का है। क्या उसकी उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक है? अपने उत्तर: का कारण जरूर बताओ।

उत्तर:

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-5th-class-hindi-chapter-3-nanha-fankar/>

इस उम्र के बच्चों का इस तरह के काम से जुड़ना ठीक नहीं है क्योंकि यह उम्र पढ़ने-लिखने और खेलने-कूदने की होती है। इतनी कम उम्र से काम में लग जाने के कारण उनका मानसिक और शारीरिक विकास कुठित हो जाता है। अतः उन्हें पढ़ने का समुचित अवसर अवश्य मिलना चाहिए।

प्रश्न 8.

“केशव बार-बार सबको सुनाता।”

केशव सबसे क्या कहता होगा? कल्पना करके केशव के शब्दों में लिखो।

उत्तर:

केशव सबसे यही कहता होगा

“आज बादशाह अकबर मेरे पास आए थे। उन्होंने मेरे काम की बहुत तारीफ की। उन्होंने मुझे नक्काशी का काम सिखाने को कहा। मुझे बादशाह की ऐसी इच्छा पर हैरानी हुई। फिर भी मैंने उन्हें बहुत अच्छे से नक्काशी का काम सिखाया। सीखने के दौरान उन्होंने मुझे ‘जी हजुर’ भी कहा। उन्होंने मुझसे काम जारी रखने को कहा ताकि कारखाने खुलने पर वे मुझे काम पर रख सकें। वे मुझसे बड़े प्रभावित थे।”

NCERT 5th Hindi Chapter 4, class 5 Hindi Chapter 4 solutions

शब्दों की निराली दुनिया

प्रश्न 1.

(क) नक्काशी जैसे किसी एक काम को चुनो (बढ़ईगिरि, मिस्त्री इत्यादि) जिसमें औजारों का इस्तेमाल होता है। उन खास औजारों के नाम और काम पता करके लिखो।

(ख) छैनी, हथौड़ा, तराशना, किरचें-ये सब पत्थर के काम से जुड़े हुए शब्द हैं। लकड़ी के दुकानदार और बढ़ई से बात करके लकड़ी के काम से जुड़े शब्द इकट्ठे करो और कक्षा में उन पर सामूहिक रूप से बातचीत करो। कुछ शब्द हम यहाँ दे रहे हैं।

आरी, रंदा, बुरादा, प्लाई, सूत ...

(ग) हो सकता है कि तुम्हारे इलाके में इन चीजों और कामों के लिए कुछ अलग किस्म के शब्द इस्तेमाल होते। हों। उन पर भी बातचीत करो।

उत्तर:

(क) बढ़ईगिरि में प्रयुक्त होने वाले औजारों के नाम हैं

- हथौड़ी-लकड़ी या दीवार में कील ठोकने के लिए।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-5th-class-hindi-chapter-3-nanha-fankar/>

- आरी-लकड़ी काटने के लिए।
- पेचकश-पेंच कसने या निकालने के लिए।
- बर्मा-छेद करने के लिए।
- रंदा-लकड़ी की घिसाई करने के लिए।

(ख) स्वयं करो।

(ग) स्वयं करो।

प्रश्न 2.

‘कटाव’ शब्द ‘कट’ क्रिया से पैदा हुआ है। नीचे लिखी संज्ञाएँ किन क्रियाओं से बनी हैं?

इन संज्ञाओं का अर्थ समझो और वाक्य में प्रयोग करो।

चुनाव पड़ाव बहाव लगाव

उत्तर:

संज्ञा	क्रिया	वाक्य प्रयोग
● चुनाव	चुनना	आज वर्ग शिक्षिका ने मोनिटर का <u>चुनाव</u> किया।
● पड़ाव	पड़ना	अगले <u>पड़ाव</u> पर मेरा घर है।
● बहाव	बहना	पानी का <u>बहाव</u> तेज है।
● लगाव	लगना	माता-पिता को अपनी संतान से बहुत <u>लगाव</u> होता है।

प्रश्न 3.

“लड़के ने जल्दी-जल्दी कोई प्रार्थना बुदबुदाई।”

रेखांकित शब्द और नीचे लिखे शब्दों में क्या अंतर है? वाक्य बनाकर अंतर स्पष्ट करो।

फुसफुसाना बड़बड़ाना भुनभुनाना

उत्तर:

- फुसफुसाना-धीरे-धीरे बोलना या कोई बात कहना-उसने फुसफुसाकर मेरे कान में अपनी गलती के बारे में बताया।
- बड़बड़ाना-गुस्से या क्रोध में कुछ-कुछ बोलना-नौकर से गलती होने पर दादाजी बड़बड़ाने लगते हैं।
- भुनभुनाना-धीरे-धीरे जली-कटी सुनाना स्पष्ट बोलो, भुनभुनाओ नहीं।

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-5th-class-hindi-chapter-3-nanha-fankar/>

प्रश्न 4.

“बेवकूफ, खड़ा हो। हुजूरे आला के सामने बैठने की जुर्रत कैसे की तूने! झुककर इन्हें सलाम कर।”

महल के पहरेदार ने केशव से यह इसलिए कहा, क्योंकि-

(क) बादशाह के सामने बैठे रहना उनका अपमान करने जैसा है।

(ख) पहरेदार यह कहकर अपनी वफ़ादारी दिखाना चाहता था।

(ग) पहरेदार को बादशाह के आने का पता नहीं चला, इसीलिए वह घबरा गया था।

(घ) बादशाह का केशव से बात करना पहरेदार को अच्छा नहीं लगा।

उत्तर:

(ख) पहरेदार यह कहकर अपनी वफ़ादारी दिखाना चाहता था।

NCERT 5th Hindi Chapter 4, class 5 Hindi Chapter 4 solutions



Chapterwise NCERT Solutions for Class 5 Hindi :

- Chapter 1 राख की रस्सी
- Chapter 2 फ़सलों का त्योहार
- Chapter 3 खिलौनेवाला
- chapter 4 नन्हा फ़नकार
- chapter 5 जहाँ चाह वहाँ राह
- chapter 6 चिट्ठी का सफ़र
- chapter 7 डाकिए की कहानी,
कँवरसिंह की जुबानी
- chapter 8 वे दिन भी क्या दिन
थे
- chapter 9 एक माँ की बेबसी
- chapter 10 एक दिन की
बादशाहत
- chapter 11 चावल की रोटियाँ
- chapter 12 गुरु और चेला
- chapter 13 स्वामी की दादी
- chapter 14 बाघ आया उस रात
- chapter 15 बिशन की दिलेरी
- chapter 16 पानी रे पानी
- Chapter 17 छोटी-सी हमारी
नदी
- chapter 18 चुनौती हिमालय
की

About NCERT

The National Council of Educational Research and Training is an autonomous organization of the Government of India which was established in 1961 as a literary, scientific, and charitable Society under the Societies Registration Act. The major objectives of NCERT and its constituent units are to: undertake, promote and coordinate research in areas related to school education; prepare and publish model textbooks, supplementary material, newsletters, journals and develop educational kits, multimedia digital materials, etc. Organise pre-service and in-service training of teachers; develop and disseminate innovative educational techniques and practices; collaborate and network with state educational departments, universities, NGOs and other educational institutions; act as a clearing house for ideas and information in matters related to school education; and act as a nodal agency for achieving the goals of Universalisation of Elementary Education. In addition to research, development, training, extension, publication and dissemination activities, NCERT is an implementation agency for bilateral cultural exchange programmes with other countries in the field of school education. Its headquarters are located at Sri Aurobindo Marg in New Delhi. [Visit the Official NCERT website](#) to learn more.

<https://www.indcareer.com/schools/ncert-solutions-for-5th-class-hindi-chapter-3-nanha-fankar/>